पुष्कर सिंह धामी

मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सचिवालय
देहरादून-248001
सचिवालय फोन : 0135-2716262
0135-2650433
फैक्स : 0135-2712827
विधान सभा फोन : 0135-2665100
0135-2665497
फैक्स : 0135-2666166
Email: cm-ua@nic.in

सन्देश

मुझे यह अवगत कराते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने माँ गंगा की अविरलता और निर्मलता को सुनिश्चित करने का जो बीड़ा ध्वजवाहक कार्यक्रम नमामि गंगे को प्रारम्भ कर उठाया था, आज वह त्वरित गति से पूर्ण हो रहा है। जहाँ एक ओर माँ गंगा की अविरलता और निर्मलता सुनिश्चित किये जाने हेतु सीवेज प्रबन्धन, रिवर फ्रन्ट डेवलेपमेन्ट, वानिकीकरण की परियोजनाएं विकसित की जा रही है वहीं दूसरी ओर जन–जन को इस पुनीत कार्य से जोड़कर एक जनसहभागिता की भागीदारी भी सुनिश्चित हो रही है।

मुझे अत्यन्त हर्ष है कि आज लोग पूरे उत्साह और मनोभाव के साथ आगे आकर माँ गंगा के सांस्कृतिक, आर्थिक एवं धार्मिक धरोहर को संजोए रखने में अपना बहुमूल्य योगदान दे रहें है। इसी का परिणाम है कि माँ गंगा की निर्मल और अविरल झलक धरातल पर हमें देखने का मिल रही है। उत्तराखण्ड राज्य जीवनदायिनी माँ गंगा का उद्गम स्थल है, इसलिए यहां के जन–जन का माँ गंगा की अविरलता और निर्मलता के प्रति हमारा कर्तव्य और अधिक हो जाता है। मुझे यह भी अवगत कराते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि मा0 प्रधानमंत्री जी के दूरगामी विजन एवं राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के चलते हम नमामि गंगे की अधिकांश परियोजनाएं ससमय पूर्ण करने में सफल रहें है। राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड में सूचीबद्ध राज्य के विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों जो निरन्तर माँ गंगा की अविरलता और निर्मलता के सन्देश को प्रचारित कर जन–जन को इस मुहिम में जोड़ने के लिए प्रयासरत् है।

मै अपने राज्य के जनमानस से आशा करता हूँ कि हम सब माँ गंगा की स्वच्छता एवं संरक्षण के लिए एक साथ मिलकर प्रण करें कि हम माँ गंगा को किसी भी प्रकार से प्रदूषित नहीं करेंगे और माँ गंगा की स्वच्छता एवं संरक्षण में अपना बहुमूल्य योगदान देकर इस मिशन को सफल बनायेंगे।

(पुष्कर सिंह धामी)

डॉ. धन सिंह रावत
मंत्री
चिकित्सा स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा
सहकारिता, उच्च शिक्षा, संस्कृत शिक्षा,
विद्यालयी शिक्षा

उत्तराखण्ड सरकार

विधान सभा भवन
कक्ष सं. : 20
फोन : 0135-2666304
फैक्स : 0135-2666308 (का.)

सन्देश

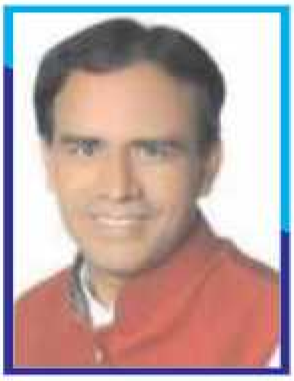

जीवनदायिनी एवं मोक्षदायिनी माँ गंगा की सांस्कृतिक, आर्थिक एवं धार्मिक धरोहर को संजोए रखने के लिए मा० प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में गंगा के प्रति सदैव सजग एवं सचेष्ठ भारत सरकार द्वारा शुरू किये गये "नमामि गंगे" कार्यक्रम की झलक माँ गंगा की निर्मलता व अविरलता के रूप में दिख रही है। नमामि गंगे कार्यक्रम के महत्वपूर्ण स्तम्भ जन गंगा के तहत् जन–जन को माँ गंगा की स्वच्छता एवं निर्मलता के लिए इस मुहिम भागीदार बनाये जाना नमामि गंगे कार्यक्रम की सफलता का केन्द्र बिन्दु है। उत्तराखण्ड राज्य के जनमानस को माँ गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के संरक्षण के लिए प्रोत्साहित करने की जिम्मेदारी माँ गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के तटों पर अवस्थित राज्य के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अध्यनरत् विद्यार्थियों को दी गयी है, चूकिं आज का विद्यार्थी ही कल देश का कर्णधार बनने वाला है।

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि, माँ गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के तटों पर अवस्थित राज्य के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अध्यनरत् विद्यार्थियों को माँ गंगा की स्वच्छता एवं निर्मलता की अलख जगाने की जो जिम्मेदारी सौंपी गयी है वह उनके द्वारा बखूबी निभाई जा रही है। विगत वर्षो से इन विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों द्वारा व्यापक रूप से माँ गंगा की स्वच्छता एवं निर्मलता हेतु जन मानस को जागरूक किये जाने का प्रयास किया गया है, इस पावन कार्य से जुड़े सभी प्राचार्य, प्राध्यापक एवं छात्र–छात्राएं प्रंशसा के पात्र है।

मै आशा करता हूं कि आगे भी हम इसी तरह माँ गंगा की स्वच्छता एवं निर्मलता हेतु प्रयासरत् रहें ताकि मा. प्रधानमंत्री जी द्वारा नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत लक्षित किये गये संकल्पों को हम प्राप्त कर सकें।

डॉ. धन सिंह रावत
कैबिनेट मंत्री, उत्तराखण्ड सरकार

जी अशोक कुमार, भा.प्र.से.
महानिदेशक
राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन
G Asok Kumar, IAS
DIRECTOR GENERAL
NATIONAL MISSION FOR CLEAN GANGA

भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
जल संसाधन,
नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF JAL SHAKTI
DEPARTMENT OF WATER RESOURCES
RIVER DEVELOPMENT & GANGA REJUVENATION

सन्देश

मुझे आपको सूचित करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि माँ गंगा की अविरलता और निर्मलता को सुनिश्चित करने की दिशा में शुरू किए गए सामूहिक प्रयासों के सुखद परिणाम हमें प्राप्त होने लगे हैं। नदी के संरक्षण, संवर्धन और पारिस्थितिकी संतुलन को लेकर देशवासियों के भीतर आज आशा और विश्वास के साथ एक नई चेतना जागृत हुई है। इस चिंतन ने नदी कायाकल्प के प्रति आम जनमानस को सहजता से एकजुट करने के साथ ही संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों को तीव्र गति प्रदान की है।

नमामि गंगे मिशन की राज्य इकाई एसपीएमजी ने उत्तराखंड राज्य में आम जनमानस को नदी संरक्षण कार्यक्रम से जोड़ने में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। राज्य में स्कूल और विश्वविद्यालय के छात्रों को विधिवत रूप से नदियों के संरक्षण कार्यक्रम का अभिन्न हिस्सा बनाया गया है। घाट पर योग, तिरंगा यात्रा, जल संरक्षण सेमिनार एवं वर्कशॉप जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से एसपीएमजी ने राज्य में नदी संरक्षण कार्यक्रम को एक जन-आंदोलन का स्वरुप दिया है।

नदियां हमारी समृद्ध विरासत है, विश्व विरासत स्थलों की भांति ही इनके संरक्षण को भी सुनिश्चित किया जा रहा है। नमामि गंगे मिशन हमारा एक भागीरथ प्रयास है। यह मेरे लिए गर्व की बात है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में माँ गंगा के संरक्षण प्रति लोगों की आस्था और जिम्मेदारी का भाव आज अभूतपूर्व स्तर पर है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि राज्य की जनता ने जिस तरह से अब तक मां गंगा के संरक्षण में अपना योगदान दिया है, आने वाले दिनों में भी अन्य नदियों के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में सकारात्मक वातावरण का निर्माण करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

(जी. अशोक कुमार)

नितेश कुमार झा
सचिव

उत्तराखण्ड शासन

पेयजल एवं
पंचायती राज विभाग
फोन : 0135–2711227
फैक्स : 0135–2713837

सन्देश

यह प्रसन्नता का विषय है कि पुण्यदायिनी नदी गंगा की स्वच्छता एवं संरक्षण के पुनीत कार्य में जनसहभागिता अभियान में राज्य के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अध्यनरत् विद्यार्थी भी सम्मिलित हो गये हैं।

महत्वकांक्षी नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत राष्ट्रीय नदी गंगा की स्वच्छता एवं अविरल प्रवाह सुनिश्चित किये जाने के उद्देश्य से जहाँ एक ओर सीवेज, रिवर फ्रन्ट डेवलपमेंट, वानिकीकरण इत्यादि से सम्बन्धित अनेक परियोजनाएँ कार्यान्वित की जा रही है, वहीं इस कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन में केन्द्र एवं राज्य की संस्थाओं द्वारा वृहद स्तर पर सूचना, शिक्षा एवं संचार साधनों के माध्यम से निरन्तर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस पुनीत कार्य में विद्यार्थियों का सम्मिलित होना अत्यन्त हर्ष का विषय है।

राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड में सूचीबद्ध सभी विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों द्वारा राष्ट्रीय नदी गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण के प्रति जनमानस में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जो कि बहुत सराहनीय है।

आशा है कि जनसहभागिता सुनिश्चित किये जाने का यह प्रयास राष्ट्रीय नदी गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण में उपयोगी सिद्ध होगी।

31.08.22

(नितेश कुमार झा)

उदय राज सिंह
अपर सचिव

उत्तराखण्ड शासन

पेयजल (नमामि गंगे), ग्रा० विकास एवं गन्ना–चीनी
उत्तराखण्ड सचिवालय
04 सुभाष रोड, देहरादून
दूरभाष कार्यालय : 0135–2713531

सन्देश

राष्ट्रीय नदी गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं अविरल प्रवाह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा वर्ष 2014 में प्रारम्भ किये गये ध्वजवाहक ''नमामि गंगे'' के अन्तर्गत गंगा में सीधे प्रवाहित हो रहे खुले प्रदूषित नालों के इंटरसैप्शन एवं डायवर्जन के माध्यम से सीवेज शोधन संयत्र में ले जा कर शोधित किया जा रहा है। इसके साथ ही सीवेज शोधन संयत्र की क्षमता के बेहत्तर उपयोग हेतु उपभोक्ताओं को संयोजन दिलाने का अभियान भी चलाया जा रहा है, जहाँ संयोजन दिलाने में भौगोलिक कठिनाई है, वहाँ पम्पिंग सुविधा तथा सेप्टेज मैनेजमेंट के तहत भी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत निर्मित सीवेज शोधन संयत्र से निकलने वाले परिशोधित जल के पुर्नउपयोग हेतु भी राज्य सरकार द्वारा उचित प्रयास किए गए हैं। नमामि गंगे कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसके अन्तर्गत जल प्रदूषण की रोकथाम के साथ–साथ जन सुविधा की दृष्टि से गंगा किनारे उत्तराखण्ड राज्य के विभिन्न स्थानों पर स्नान घाट एवं मोक्ष गृहों निर्माण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त उत्तराखंड में गंगा नदी के कैचमेंट एरिया में वृक्षारोपण, गंगा वाटिकायें विकसित करने तथा नर्सरियां बनाने पर भी विशेष जोर दिया है।

नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत राष्ट्रीय नदी गंगा की स्वच्छता एवं संरक्षण हेतु जहां एक ओर नगरों के अपशिष्ट जल प्रबन्धन हेतु सीवेज की परियोजनाएं, रिवर फ्रन्ट डेवलेपमेन्ट की परियोजनाएं, वानिकीकरण की परियोजनाएं इत्यादि विकसित की जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय नदी गंगा के स्वच्छता एवं संरक्षण में जनसहभागिता से इसको एक जन आन्दोलन का रूप दिया जा रहा है।

मुझे यह बताते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि, राष्ट्रीय नदी गंगा के स्वच्छता एवं संरक्षण में जनसहभागिता सुनिश्चित किये जाने जो जिम्मेदारी राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड में सूचीबद्ध विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को सौंपी गयी थी, वह उनके द्वारा बखूबी निभाई जा रही है, जिसके लिए मैं सभी सूचीबद्ध विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के कुलपति, प्राचार्य, नोडल अधिकारी एवं छात्र–छात्राओं को धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। आशा है कि हम राष्ट्रीय नदी गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण सुनिश्चित किये जाने में अनवरत प्रयासरत रह कर नमामि गंगे कार्यक्रम के लक्षित उद्देश्यों को प्राप्त करेंगे।

(उदय राज सिंह)
अपर सचिव, पेयजल (नमामि गंगे)/
कार्यक्रम निदेशक,
राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप,
नमामि गंगे उत्तराखण्ड

सन्देश

भारत सरकार द्वारा वर्ष 2014 में राष्ट्रीय नदी गंगा की स्वच्छता, पारिस्थितिक तन्त्र एवं अविरल प्रवाह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रारम्भ किये गये ध्वजवाहक कार्यक्रम "नमामि गंगे" के अन्तर्गत जहां एक ओर सीवेज, रिवर फ्रन्ट डेवलेपमेन्ट, वानिकीकरण इत्यादि की परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर गंगा की स्वच्छता एवं संरक्षण के प्रयासों में जनमानस की भागीदारी को बढावा देने के उद्देश्य से वृहद् स्तर पर सूचना शिक्षा एवं संचार गतिविधियां आयोजित की जा रहीं है। मुझे यह कहते हुए हार्दिक खुशी हो रही है कि, राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड द्वारा राष्ट्रीय नदी गंगा की स्वच्छता एवं संरक्षण में जनमानस की भागीदारी सुनिश्चित किये जाने की इस मुहिम में राज्य के विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को सम्मिलित किये जाने का जो निर्णय लिया गया है, वह कारगर साबित हो रहा है। इस प्रयास से हम गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता के प्रति जनमानस को जागरूक किए जाने में काफी हद तक सफल हुये हैं तथा आगे भी इस अभियान के माध्यम से गंगा स्वच्छता एवं संरक्षण के सन्देश को राज्य के जन–जन तक पहुंचाने के लिये अनवरत प्रयासरत रहेंगे, इस पावन कार्य में निरन्तर लगे हुए विश्वविद्यालय/महाविद्यालय प्रशंसा के पात्र है। मेरी जन–जन से यह अपील है कि, गंगा की स्वच्छता एवं संरक्षण में अपना सहयोग प्रदान करें।

(शिवानी पाण्डेय)
वित्त निदेशक,
राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप,
नमामि गंगे उत्तराखण्ड।

सन्देश

भारत सरकार के महत्वकांक्षी ध्वजवाहक कार्यक्रम " नमामि गंगे" के अन्तर्गत उत्तराखण्ड राज्य में जल प्रदूषण की रोकथाम एवं जन सुविधा की दृष्टि से सीवेज प्रबन्धन, रीवर फ्रन्ट डेवलेपमेन्ट एवं वानिकीकरण की परियोजनाएं विकसित किये जाने के साथ–साथ राष्ट्रीय नदी गंगा एवं इसकी सहायक नदियों को अविरल एवं निर्मल बनाने के लिए विभिन्न सूचना शिक्षा एवं संचार (आई.ई.सी.) गतिविधियों के द्वारा जनसहभागिता को बढावा दिया जा रहा है।

राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे कार्यालय में सूचीबद्ध विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों द्वारा विगत वर्षो में नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न आई.ई.सी. गतिविधियों का आयोजन कर राष्ट्रीय नदी गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण के प्रति जनमानस में व्यापक जागरूकता प्रचारित की है, जिसके लिए मैं सभी सूचीबद्ध विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए साथ आशा करती हूँ कि भविष्य मे भी पूरे उत्साह और भाव के साथ राष्ट्रीय नदी गंगा के सांस्कृतिक, आर्थिक एवं धार्मिक धरोहर को संजोए रखने हेतु जनमानस को जागरूक किये जाने हेतु निरन्तर आई.ई.सी. गतिविधियों का आयोजन किया जाता रहेगा।

मेरा जनमानस से भी अनुरोध है कि, गंगा एवं इसकी सहायक नदियों में किसी भी प्रकार का प्रदूषण प्रवाहित न कर गंगा स्वच्छता एवं संरक्षण के इस पुनीत कार्य में अपना योगदान प्रदान करें।

(नमिता त्रिपाठी)
तकनीकी सलाहकार,
राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप,
नमामि गंगे उत्तराखण्ड।

सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा उत्तराखण्ड)

कुलपति

ईमेल– vcssju@gmail.com

पत्रांक– SSJU/2022-2023/

दिनांक– 20/08/2022

सन्देश

यह हर्ष का विषय है कि, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के अन्तर्गत कार्यालय राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड द्वारा एक पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। सृष्टि की संरचना में प्रकृति एवं मानव का युगों से अटूट संबंध रहा है। सृष्टि के अंश के रूप में नदियां प्रमुख स्थान रखती हैं। जो प्रकृति प्रदत्त हैं। इन नदियों के समीप मानव सभ्यता फली–फूली और विकसित हुई है। प्रकृति के केंन्द्र में मानव ने अपने जीवन की शुरूआत की। सभ्यता के आरंभ में प्रकृति के नियमों का अनुपालन कर मानव एवं समस्त प्राणी सुखी थे। किंतु ज्यों–ज्यों भौतिकवादी संस्कृति का हस्तक्षेप हुआ त्यों–त्यों प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन होता रहा। जिसके फलस्वरूप अम्लवर्षा होना, ओजोन परत का क्षरण, ग्लोबल वार्मिंग, ग्रीन गैस प्रभाव, पर्यावरण विघटन और जलवायु परिवर्तन जैसी भंयकर और विनाशकारी समस्याओं का जन्म हुआ। इसके साथ ही ग्लेशियर प्रभावित हुए हैं, जैव विविधता नष्ट हुई है, जीवन चक्र एवं खाद्य श्रृंखला प्रभावित हुई है। विघटनकारी समस्याओं के कारण प्रकृति का क्रम निरंतर टूट रहा है, जो चिंतन का विषय है। मानवजनित समस्याओं के कारण ग्लेशियर एवं नदियों को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा है। नदियां दूषित हो रही हैं, जिससे पीने योग्य जल की उपलब्धता पर संकट उत्पन्न हुआ है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार द्वारा नदियों को प्रदूषण मुक्त बनाने, नदियों को स्वच्छ करने और पुनर्जनम के लिए 'नमामि गंगे' की शुरूआत की है, जो उत्कृष्ट पहल है। 'नमामि गंगे' अभियान भारत में गंगा तथा उसकी सहायक नदियों को बचाने, प्रदूषण मुक्त बनाने, उनके पुनर्जनम के लिए जनमानस के साथ मिलकर जागरूकता फैला रहा है। यह अभियान राष्ट्रव्यापी अभियान है जो विराट संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इन सभी प्रयासों को लेकर कार्यालय राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड द्वारा पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। मैं इस अवसर पर पत्रिका परिवार के सभी सदस्यों को अपनी शुभकामनांए देता हूँ और आशा करता हूं कि पर्यावरण संरक्षण के लिए यह पत्रिका पथ–प्रदर्शक का कार्य करे।

शुभमस्तु!

(एन०एस०भण्डारी)
कुलपति

Prof. Surekha Dangwal
प्रो० सुरेखा डंगवाल
Vice Chancellor/कुलपति

दून विश्वविद्यालय
DOON UNIVERSITY

No. ..../VC-DU/20
Date : 25th August, 2022

सन्देश

उत्तराखण्ड राज्य के प्रमुख संस्थान के रूप में, दून विश्वविद्यालय द्वारा राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप (एस.पी.एम.जी.), नमामि गंगे उत्तराखण्ड के लिये आई0ई0सी0 गतिविधियों को शुरू करना गर्व और सम्मान की बात है।

हम श्री उदय राज सिंह, अपर सचिव, नमामि गंगे / कार्यक्रम निदेशक, एस.पी. एम.जी. नमामि गंगे उत्तराखण्ड, श्रीमती शिवानी पांडे, वित्त निदेशक, श्रीमती नमिता त्रिपाठी, तकनीकी सलाहकार एवं श्री पूरन चंद कापड़ी, संचार विशेषज्ञ का धन्यवाद देना चाहते है कि उन्होने आई0ई0सी0 गतिविधियों के लिए दून विश्वविद्यालय को चयनित किया और श्री दुर्गा पैन्यूली, टीम सहायक, एस.पी.एम.जी. उत्तराखण्ड को उनके सहयोग और सुविधा प्रदान करने हेतु हृदय से अभार व्यक्त करते है।

दून विश्वविद्यालय को हमारे देश में स्वच्छ नदियों और जल संरक्षण के लिये महत्वपूर्ण सन्देश को समाज के हर वर्ग तक पहुँचाने में गर्व की अनूभूमि हो रही है। हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, कार्यक्रम का उद्‌देश्य प्रदूषण के प्रभावी उन्मूलन, राष्ट्रीय गंगा के संरक्षण और कायाकल्प के बहुआयामी उद्‌देश्यों को पूरा करना है।

नमामि गंगे के साथ हमारा एक अनवरत और समृद्ध रिश्ता रहा है और व्यक्तिगत रूप से मिशन की भावना और संन्देश में निवेषित है। हम देहरादून और उत्तराखण्ड में प्रतिपादित मूल्यों को बढ़ावा देने के भविष्य में भी अपने पूरी शक्ति संसाधनों के साथ कोशिश करते रहेंगे ताकि हम अपनी भविष्य की पीढियों को स्वच्छ पर्यावरण एवं स्वच्छ जल की उपलब्धता सूनिश्चित कर सकें।

Dangwal

(प्रो० सुरेखा डंगवाल)
कुलपति

Mothrowala Road, Kedarpur, P.O. Defence Colony, Dehradun-248001 (Uttarakhand) INDIA.
मोथरोवाला रोड, केदारपुर, पो०आ डिफेन्स कालोनी, देहरादून–248001 (उत्तराखण्ड) भारत
Tel. : +91-135-2533102
Fax : 0135-2533110, 2533115
E-mail : vcdoon@gmail.com, doonvc@gmail.com

श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
बादशाहीथौल, टिहरी गढ़वाल, उत्तराखण्ड–249199

Sri Dev Suman Uttarakhand University

Badshahithaul, Tehri Garhwal, Uttarakhand - 249199

डा० पी०पी० ध्यानी
Dr. P. P. Dhyani
कुलपति
Vice Chancellor

Tel. : 01376 - 254110 (O)
Fax : 01376 - 254110
Website : www.sdsuv.ac.in
Mail Id : vcsdsuv2018@gmail.com

Ref. No. : SDSUV/VC/ 54 Dated : 01/08/2022

सन्देश

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि, जीवन दायिनी व मोक्षदायिनी माँ गंगा के वैभव, पौराणिक महत्व एवं जनमानस में इसके प्रति आस्था के दृष्टिगत इसके निर्मल एवं अविरल प्रवाह बनाये रखने के लिए क्रियान्वित किये जा रहे नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत माँ गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की अविरलता एवं निर्मलता के प्रति जनमानस में जागरूकता प्रचारित किये जाने का कार्य राज्य के गंगा तट पर अवस्थित वि वविद्यालय/महाविद्यालयों में अध्यनरत् छात्र–छात्राओं द्वारा किया गया जा रहा है।

उत्तराखण्ड राज्य में गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के आस–पास अवस्थित वि वविद्यालय/महाविद्यालयों को नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड के साथ सूचीब) कर इन वि वविद्यालय/महाविद्यालयों में अध्यनरत् छात्र–छात्राओं को माँ गंगा की स्वच्छता एवं संरक्षण की मुहिम से जोड़ा जाना मील का पत्थर साबित होगा, छात्र–छात्राओं द्वारा इस मुहिम में बढ़ –चढ़कर प्रतिभाग कर माँ गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के प्रति जनमानस को व्यापक रूप से जागरूक किया जा रहा है।

माँ गंगा की निर्मलता एवं अविरलता बनाये रखने के सन्देश को जनमानस के मध्य प्रचारित किये जाने के कार्य में लगे सभी वि वविद्यालय/महाविद्यालयों एवं नमामि गंगे टीम को बहुत–बहुत शुभकामनाएं। मुझे आशा ही नही अपितु विश्वास है कि नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत हम माँ गंगा की निर्मलता एवं अविरलता के संकल्प को प्राप्त करेंगे।

(डॉ0 पिताम्बर प्रसाद ध्यानी)
कुलपति

उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तराखण्ड
हल्द्वानी - 263139 (नैनीताल)

Mail-Higherducation.director@gmail.com

पत्रांक / 2914 दि० 02/08/22

सन्देश

राष्ट्रीय नदी गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के निर्मल एवं अविरल प्रवाह सुनिश्चित किये जाने के दृष्टिगत भारत सरकार के ध्वजवाहक नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न परियोजनाएं विकसित किये जाने के साथ–साथ जनभागीदारी भी अत्यन्त आवश्यक है, नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत इस पुण्य कार्य की जिम्मेदारी राज्य के गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के तटों पर स्थित विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को दिया जाना एक उपयोगी निर्णय साबित हो रहा है।

मुझे यह बताते हुए अत्यन्त खुशी हो रही है कि, राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड द्वारा सूचीबद्ध किये गये गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के तटों पर स्थित विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं द्वारा वर्ष भर अनेक माध्यमों से जनमानस को माँ गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाता रहता है, जिससे एक ओर जनमानस में गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण का सन्देश व्यापक रूप से प्रचारित हो रहा है वहीं दूसरी ओर अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं को उनके कर्तव्यों के निर्वहन की शिक्षा प्रदान की जा रही है, क्योंकि इन्हीं छात्र–छात्राओं पर देश के भविष्य की जिम्मेदारी है।

माँ गंगा की निर्मलता एवं अविरलता बनाये रखने हेतु जनमानस को जागरूक करने के इस पुनीत कार्य में लगे नमामि गंगे टीम एवं सभी विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय बधाई के पात्र हैं। हम सबको यह प्रण लेना होगा कि, हम जाने अनजाने किसी भी प्रकार से नदियों को प्रदूषित न करें ताकि जिससे हम भारत सरकार की महत्वकांक्षी परियोजना नमामि गंगे के आयामों को प्राप्त कर सकें।

प्रो0 (संदीप कुमार शर्मा)
निदेशक उच्चशिक्षा
उत्तराखण्ड।

सन्देश

अत्यन्त हर्ष एवं सुखद अनुभव हो रहा है कि जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार, ''राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन'' की नमामि गंगे परियोजनान्तर्गत ''जागरूकता, शिक्षा एवं संचार'' विषयों पर छात्रों एवं आम जनमानस हेतु आयोजित कार्यक्रमों की वार्षिक पत्रिका ''नमामि गंगे'' का प्रकाशन महाविद्यालय की नमामि गंगे समिति द्वारा किया जा रहा है। गंगा एवं इसकी सहायिकाओं को प्रदूषण मुक्त करने, स्वच्छ, निर्मल एवं अविरल बनाये जाने हेतु महाविद्यालय स्तर पर किये जाने वाले जागरूकता कार्यक्रम अत्यन्त सराहनीय हैं।

मुझे पूर्ण आशा एवं विश्वास है कि महाविद्यालय की नमामि गंगे समिति ''राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन'' के उद्देश्यों को पूर्ण करने हेतु महाविद्यालय के छात्रों के साथ ही शहर में अवस्थित अन्य विद्यालयों के छात्रों एवं आम जनमानस के मध्य विभिन्न कार्यक्रमों के द्वारा गंगा की महत्ता को स्पष्ट करते हैं, जिससे अवश्य ही इन समूहों के मध्य गंगा के प्रति संवेदनशीलता आयेगी और ये गंगा एवं उसकी सहायक नदियों को प्रदूषण मुक्त बनाने में मील का पत्थर साबित होगें।

महाविद्यालय की नमामि गंगे पत्रिका के प्रकाशन द्वारा गंगा एवं इसकी सहायक नदियों को संरक्षित करने एवं उसके पुनरूत्थान हेतु नियमित तौर पर की जा रही गतिविधियों को जन–जन तक पहुंचाने का एक सराहनीय प्रयास है।

मैं महाविद्यालय की नमामि गंगे समिति के नोडल अधिकारी एवं अन्य सदस्यों को पत्रिका के सफल सम्पादनार्थ शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ।

(डॉ0 रेनू नेगी)
प्राचार्य
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
नई टिहरी

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन
National Mission for Clean Ganga

सन्देश

यह मेरे लिए गर्व का विषय है कि गंगा नदी के प्राचीन वैभव की प्राप्ति, उनके संरक्षण और संवर्धन की दिशा में नमामि गंगे मिशन नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। माननीय प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप नमामि गंगे मिशन के अंतर्गत, एसपीएमजी ने उत्तराखंड में अपनी सामूहिक संकल्प शक्ति के द्वारा नदियों के संरक्षण को जन आंदोलन में परिवर्तित किया है।

कोरोना महामारी के संकटकाल में भी राज्य में पूरी प्रतिबद्धता के साथ नदियों के संरक्षण की दिशा में अभूतपूर्व कार्य किए गए। नमामि गंगे मिशन के अंतर्गत गंगा क्वेस्ट ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता और हर महीने आयोजित किए जाने वाले इग्नाईटिंग यंग माइंड्स: रिजुवेनेटिंग रिवर जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से हम नदियों के संरक्षण कार्यक्रम को एक जन-आंदोलन में परिवर्तित करने में सफल हो रहे हैं। आज हम युवाओं और छात्रों को नदियों के भौगोलिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक महत्व और वर्तमान स्थिति से जोड़कर उन्हें नदी संरक्षण के प्रति जिम्मेदार और संवेदनशील बना रहे हैं।

मुझे विश्वास है कि आगे भी आप सभी माँ गंगा के प्रति अपना प्यार और लगाव इसी तरह बनाए रखेंगे। आप सभी के सहयोग से हम जल्द ही मां गंगा और उनकी सहायक नदियों के संरक्षण और संवर्धन के लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे।

नजीब

मोहम्मद नजीब अहसन

वरिष्ठ संचार प्रबंधक,

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन

आभार

महत्वकांक्षी नमामि गंगे कार्यक्रम का महत्वपूर्ण स्तम्भ है 'जन गंगा'। राष्ट्रीय नदी गंगा की स्वच्छता व संरक्षण सुनिश्चित करने हेतु सीवेज, रिवर फ्रन्ट डेवलपमेण्ट, वानिकीकरण इत्यादि परियोजनाओं के साथ–साथ जन–भागीदारी भी नमामि गंगे कार्यक्रम की सफलता का केन्द्र बिन्दु है। केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न सूचना, शिक्षा एवं संचार (आई.ई.सी.) साधनों के माध्यम से निरन्तर व्यापक स्तर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के प्रति जनमानस में व्यापक जागरूकता प्रचारित किये जाने के उद्देश्य से गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के तटों पर अवस्थित विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को आई.ई.सी. गतिविधियों आयोजित किये जाने हेतु राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड कार्यालय में सूचीबद्ध किया गया।

गंगा स्वच्छता एवं संरक्षण के प्रति जनमानस में जागरूकता के प्रचार–प्रसार के पुनीत दायित्व के निर्वहन मे अग्रसर सभी सूचीबद्ध विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों कुलपतियों, प्राचार्यों, नामित नोडल अधिकारियों एवं छात्र–छात्राओं का मैं धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एन.एम.सी.जी.), जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार एवं राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप (एस.पी.एम.जी.), नमामि गंगे उत्तराखण्ड के उच्चाधिकारियों का आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके दिशा–निर्देश एवं मार्गदर्शन से यह पुनीत कार्य सम्भव हुआ है। आई.ई.सी. गतिविधियों के आयोजन में उच्च शिक्षा निदेशक, उत्तराखण्ड का भी विशेष सहयोग रहा है, जिसके लिए मैं उनका अभार व्यक्त करता हूँ। मैं अपने एन.एम. सी.जी. व एस.पी.एम.जी. के सहयोगियों का भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

आशा है कि हम भविष्य में भी गंगा स्वच्छता एवं संरक्षण के प्रति जनमानस में जागरूकता प्रचारित करते रहें ताकि जन–जन को इस पुनीत कार्य से जोड़कर जनसहभागिता की भागीदारी से हम निर्मल एवं अवरिल गंगा के संकल्पित लक्ष्य को प्राप्त कर सकें।

(पूरन चन्द कापड़ी)
संचार विशेषज्ञ
राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप,
नमामि गंगे उत्तराखण्ड

आभार

गंगा को स्वच्छ बनाये रखने हेतु आम जनमानस एवं छात्रों के मध्य वर्ष भर जो गतिविधियां आयोजित की गई उनकी इस वर्ष की विस्तृत आख्या प्रस्तुत करने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है जिसके माध्यम से हम पतित पावनी माँ गंगा की स्वच्छता, संवर्धन एवं संरक्षण हेतु आम जनमानस एवं उत्तराखण्ड के नौनिहालों को सजग, जागरूक एवं जिम्मेदार बनाने का प्रयास कर रहे हैं। यद्यपि विगत कुछ दशकों से आम जनमानस गंगा के धार्मिक, आर्थिक एवं सामाजिक महत्व को समझने के बाद भी उसे नजर अन्दाज करता आ रहा था साथ ही धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जहां मनुष्य गंगा जल के स्नान मात्र से ही अपने को पवित्र और पापों से मुक्त समझता था वही अपनी महत्वकांक्षाओं एवं अज्ञानताओं से जीवनदायिनी गंगा एवं उसकी सहायिकाओं को हर प्रकार से प्रदूषित करता आ रहा था जिससे गंगा एवं उसकी सहायक नदियां धीरे–धीरे गन्दे नालों में परिवर्तित होने लगी और अपने अस्तित्व के लिए संघर्षरत रही।

मई 2014 में श्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी जी ने प्रधानमंत्री पद सम्भालते ही गंगा को प्रदूषण मुक्त, स्वच्छ एवं निर्मल बनाने का संकल्प लिया और इसे अपनी प्रमुख प्राथमिकताओं में रखा जिसके तहत जुलाई 2014 में गंगा नदी और उसकी सहायिकाओं को प्रदूषण मुक्त और पुनर्जीवित करने के लिए नमामि गंगे नामक एक एकीकृत स्वच्छ गंगा मिशन का शुभारम्भ किया जिसके तहत नदी की उपरी सतह की सफाई से लेकर बहते हुए ठोस कचरे की समस्या का निराकरण, गांवों एवं शहरों से निकलने वाली गन्दी नालियों से आने वाले मैले पदार्थों का उपचार, घर–घर शौचालयों का निर्माण, शवदाह गृहो का निर्माण एवं आधुनिकीकरण कर जिससे कि बिना जले एवं अधजले शवों को नदियों में बहने से रोका जा सके तथा मैदानी क्षेत्रों में नदी तटों पर वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कर उसके पूर्ववर्ति स्वरूप में लाने जैसे उद्देश्यों की पूर्ति कर उसे धरातल में उतारकर गंगा को स्वच्छ एवं निर्मल बनाया जा सके। इस महत्वकांक्षी परियोजना के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आम जनमानस के अतिरिक्त उन सभी राज्यों के कॉलेजों, विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं को सम्मिलित किया गया जो गंगा के प्रवाह क्षेत्र में आते हैं।

पत्रिका में दर्शायी जाने वाली समस्त गतिविधियां इस बात का प्रमाण है कि महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं के अतिरिक्त सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज नई टिहरी, राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज बौराड़ी के छात्र–छात्राओं के साथ ही हे0न0ब0केन्द्रीय विश्वविद्यालय के एस0आर0टी0 परिसर बादशाहीथौल के एन0सी0सी0 कैडेटस को साथ लेकर भी महाविद्यालय की नमामि गंगे समिति के अथक प्रयासों से आम जनमानस को जागरूक करने का उत्कृष्ट प्रयास किया गया है।

उपरोक्त सम्पूर्ण प्रयास महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ0 रेनू नेगी के मार्ग दर्शन से ही सर्वस्व संभव हो सके है, नमामि गंगे समिति के सभी सदस्य प्राचार्य महोदया के प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए उन्हें सादर वन्दन करते है और सदैव उनके मार्ग दर्शन के लिए आकांक्षी हैं, साथ ही मैं कार्यक्रम निदेशक राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप नमामि गंगे उत्तराखण्ड के ऊर्जावान संचार विशेषज्ञ श्री पूरन कापड़ी जी एवं सहायक श्री दुर्गा प्रसाद पैन्यूली जी, महाविद्यालय की नमामि गंगे समिति के सभी सदस्यों– डॉ0 पदमा वशिष्ठ, डॉ0 आशा डोभाल, डॉ0 संदीप कुमार एवं डॉ0 जयेन्द्र सजवाण तथा हरीश मोहन, छात्र–छात्राओं महाविद्यालय के शिक्षको, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों तथा प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान करने वाले शहर वासियों का हृदय से आभार प्रकट करता हूँ जिनके सहयोग से हम गंगा को स्वच्छ एवं निर्मल बनाने हेतु जागरूकता, शिक्षा तथा संचार की गतिविधियों को आम जनमानस तक पहुँचाने का एक सूक्ष्मतम प्रयास कर पा रहें हैं।

(डॉ0 पी.सी. पैन्यूली)
नोडल अधिकारी
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
नई टिहरी

आजादी का अमृत महोत्सव

- राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नई टिहरी द्वारा स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।
- महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा महाविद्यालय परिसर के आस–पास के क्षेत्र से लगभग 150 किलो प्लास्टिक का कूड़ा एकत्र किया गया।

आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण देशभर में मनाये जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के तहत् राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार एवं राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड के तत्वाधान में आयोजित स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अन्तर्गत 06 अक्टूबर 2021 को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नई टिहरी द्वारा नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया, जिसके तहत् छात्र–छात्राओं महाविद्यालय परिसर के आस–पास के क्षेत्र से लगभग 150 किलो प्लास्टिक का कूड़ा एकत्र किया गया साथ ही जनमानस के मध्य नदियों की स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व को प्रचारित करते हुए अपने स्तर से योग दान दिए जाने हेतु प्रेरित किया गया।

महाविद्यालय परिसर व आस–पास के क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाते हुए छात्र–छात्राएं

स्वच्छता अभियान के पश्चात् एकत्रित ठोस अपशिष्ट के साथ छात्र–छात्राएं

विभिन्न माध्यमों से गंगा स्वच्छता एवं संरक्षण का सन्देश प्रचारित करते हुए छात्र–छात्राए

देव दीपावली

- प्रकाश पर्व देव दीपावली के शुभ अवसर पर नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत रंगोली कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा रंगोली के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का सन्देश व्यापक रूप से प्रचारित किया गया।

प्रकाश पर्व देव दीपावली के शुभ अवसर पर जनमानस को गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के प्रति जागरूक एवं संवेदीकरण किये जाने के दृष्टिगत राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार एवं राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड के तत्वाधान में दिनांक 30 नवम्बर 2021 को नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी में रंगोली कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा महाविद्यालय परिसर में रंगोली के माध्यम से विभिन्न आकृतियां बनाकर गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण के साथ पर्यावरण संरक्षण का सन्देश व्यापक रूप से प्रचारित किया गया।

महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता सदेंश युक्त रंगोली बनाती छात्रायें

गंगा दशहरा

- भारत की राष्ट्रीय नदी गंगा के पावन पर्व गंगा दशहरा के अवसर पर राजकीय महाविद्यालय, नई टिहरी द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- कोराना महामारी के दृष्टिगत महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा अपने निवास के आस–पास ही वृक्षारोपण किया गया।

भारत की राष्ट्रीय नदी गंगा के पावन पर्व गंगा दशहरा के अवसर पर राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार एवं राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड के तत्वाधान में राजकीय महाविद्यालय, नई टिहरी द्वारा पर्यावरण संरक्षण के सन्देश को व्यापक रूप से प्रचारित किये जाने के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कोराना महामारी की रोकथाम के दृष्टिगत केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुपालन में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा अपने निवास के आस–पास ही वृक्षारोपण कर पर्यावरण का संरक्षण के सन्देश को व्यापक रूप से प्रचारित करते हुए गंगा दशहरा कार्यक्रम मनाया गया।

महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं अपने निवास के आस–पास ही वृक्षारोपण करते हुए।

स्वच्छता ही सेवा 2021

- 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम के तहत् राजकीय महाविद्यालय, नई टिहरी द्वारा विद्या मन्दिर इण्टर कालेज के छात्र–छात्राओं के साथ महाविद्यालय परिसर एवं आस–पास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाया गया।
- स्वच्छता अभियान के साथ–साथ छात्र–छात्राओं द्वारा जनमानस से अपने आस–पास के क्षेत्रों को स्वच्छ बनाये रखने हेतु जागरूक किया गया।

राष्ट्रीय नदी गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के प्रति जनमानस में व्यापक जागरूकता एवं संवेदीकरण के दृष्टिगत राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार एवं राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड के तत्वाधान में आयोजित किये जा रहें स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत् राजकीय महाविद्यालय, नई टिहरी द्वारा दिनांक 1 अक्टूबर 2021 को विद्या मन्दिर इण्टर कालेज के छात्र–छात्राओं के साथ महाविद्यालय परिसर एवं आस–पास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा जनमानस को अपने आस–पास के क्षेत्रों को स्वच्छ बनाये रखने हेतु जागरूक किया गया।

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

स्वच्छता अभियान चलाते हुए विद्या मन्दिर इण्टर कालेज के छात्र–छात्राएं

सुझाव पुस्तिका में गंगा स्वच्छता एवं संरक्षण के प्रति अपना सुझाव दर्ज करते हुए छात्र–छात्राएं

छात्र–छात्राओं को स्वच्छता हेतु मास्क एवं गलब्स वितरित करते हुए प्रध्यापक

गंगा उत्सव

- राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी द्वारा गंगा नदी के पारिस्थितिकी तन्त्र से जनमानस का मजूबत सम्बन्ध स्थापित करने के उद्‌देश्य से 'गंगा उत्सव कार्यक्रम' का आयोजन किया गया।
- गंगा उत्सव कार्यक्रम के अवसर पर महाविद्यालय में गंगा शपथ, स्वच्छता अभियान एवं निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

04 नवम्बर के दिन गंगा नदी को 'भारत की राष्ट्रीय नदी' घोषित किये जाने के उपलक्ष में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार एवं राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड के तत्वाधान में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी द्वारा गंगा नदी के पारिस्थितिकी तन्त्र से जनमानस का मजूबत सम्बन्ध स्थापित करने के उद्‌देश्य से 'गंगा उत्सव कार्यक्रम' का आयोजन किया गया।

गंगा उत्सव कार्यक्रम के अवसर पर महाविद्यालय में सर्वप्रथम सभी छात्र–छात्राओं, प्राध्यपकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता के प्रति अपने कर्तव्यों के निर्वहन हेतु गंगा शपथ ली गयी। इसके पश्चात् महाविद्यालय परिसर के मुख्य प्रांगण, कला संकाय भवन एवं वाणिज्य संकाय भवन के आस – पास सघन स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। तद्‌पश्चात् राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी में गंगा की पवित्रता एवं प्रदूषण निवारण विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

गंगा उत्सव कार्यक्रम में प्रतिभाग हेतु एकत्रित छात्र–छात्राएं, प्राध्यापक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी।

गंगा नदी के प्रति अपने कर्तव्यों के निवर्हन हेतु गंगा शपथ लेते हुए

महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाते हुए छात्र–छात्राएं, प्राध्यापक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी।

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाते हुए छात्र–छात्राएं, प्राध्यापक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी।

गंगा की पवित्रता एवं प्रदूषण निवारण विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए छात्र–छात्राए

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

गंगा की पवित्रता एवं प्रदूषण निवारण विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए छात्र–छात्राए

नदी उत्सव

- 'नदी उत्सव' कार्यक्रम का राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी में दिनांक 21 दिसम्बर 2021 को शुभारम्भ किया गया।
- कार्यक्रम के तहत् राजकीय बालिका इण्टर कालेज, बौराडी में गंगा शपथ एवं स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में सम्पूर्ण भारत वर्ष में मनाये जा रहे आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण में सरकारी प्रयासों के साथ–साथ जनभागीदारी भी सुनिश्चित किये जाने के दृश्टिगत मनाये जा रहे 'नदी उत्सव' कार्यक्रम के तहत् राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी द्वारा दिनांक 21 दिसम्बर 2021 को नई टिहरी नगर के राजकीय बालिका इण्टर कालेज, बौराडी में गंगा शपथ एवं स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ राजकीय बालिका इण्टर कालेज, बौराडी के प्रांगण में विद्यार्थियों को गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण की शपथ दिलाकर किया गया। इसके पश्चात् छात्राओं द्वारा आस–पास के क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

राजकीय बालिका इण्टर कालेज, बौराडी के प्रांगण में विद्यार्थी गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता की शपथ लेते हुए।

राजकीय बालिका इण्टर कालेज, बौराडी के विद्यार्थी स्वच्छता अभियान चलाते हुए।

नदी उत्सव कार्यक्रम का द्वितीय दिवस

- 'नदी उत्सव' कार्यक्रम के द्वितीय दिवस पर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी में गंगा स्वच्छता एवं सरक्षण विशय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- चित्रकला प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा चित्रकारिता के माध्यम से गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की महत्ता को दर्शाया गया।

आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण भारत वर्ष में मनाये जा रहे आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण में सरकारी प्रयासों के साथ–साथ जन भागीदारी भी सुनिश्चित किये जाने के दृष्टिगत मनाये जा रहे 'नदी उत्सव' कार्यक्रम के तहत् राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी द्वारा 22 दिसंबर 2021 को गंगा स्वच्छता एवं सरक्षण विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा चित्रकारिता के माध्यम से गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की महत्ता एवं इसमें मानवजनित गतिवधियों से बढ़ रहे प्रदूषण से होने वाले नुकसान को दर्शाते हुए प्रदूषण निवारण हेतु अपना दृष्टिकोण भी व्यक्त किया गया साथ ही नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत गंगा एवं इसकी सहायक नदियों में प्रदूषण निवारण के लिए किये जा रहे प्रयासों को भी चित्रकारिता के माध्यम से व्यक्त किया गया।

गंगा स्वच्छता एवं सरक्षण विषय पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं

नदी उत्सव कार्यक्रम का समापन दिवस

- 'नदी उत्सव' कार्यक्रम का दिनांक 23 दिसम्बर 2021 राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में समापन किया गया।
- इस अवसर पर महाविद्यालय में गंगा स्वच्छता एवं सरक्षण विषय पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन किया गया।

आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण भारतवर्ष में मनाये जा रहे आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण में सरकारी प्रयासों के साथ–साथ जनभागीदारी भी सुनिश्चित किये जाने के दृष्टिगत मनाये जा रहे 'नदी उत्सव' कार्यक्रम का राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी में दिसम्बर 23 दिसंबर 2021 को गंगा स्वच्छता एवं सरक्षण विषय पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के साथ समापन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन कर किया इसके पश्चात् महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के महत्व के साथ–साथ लोक संस्कृति को प्रदर्शित किया गया। इसके पश्चात् नदी उत्सव के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया, साथ ही कार्यक्रम आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रध्यापकों को भी पुरस्कृत किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देते हुए महाविद्यालय की छात्राएं

नदी उत्सव कार्यकम के दौरान एन.सी.सी. छात्राओं द्वारा आयोजित स्वच्छता अभियान एवं गंगा शपथ

कार्यक्रम आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रध्यापकों को पुरस्कृत करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य डा० रेनू नेगी

नदी उत्सव के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

नदी उत्सव के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देते हुए महाविद्यालय की छात्राएं

गंगा स्वच्छता पखवाड़ा

- नदी उत्सव' कार्यक्रम के तहत् राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी दिनांक 21 दिसम्बर 2021 को शुभारम्भ किया गया।

- कार्यक्रम के तहत् नई राजकीय बालिका इण्टर कालेज, बौराडी में गंगा शपथ एवं स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय नदी गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण में सरकारी प्रयसों के साथ जनमानस को भी इस मुहिम जोड़े जाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार एवं राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड के तत्वाधान में आयोजित किये जा रहे गंगा स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा विभिन्न सूचना शिक्षा एवं संचार गतिवधियों का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा स्वच्छता रैली महाविद्यालय के समीप स्थित जल स्त्रातों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसके छात्र–छात्राएं नई टिहरी स्थित हनुमान चौक पर एकत्रित हुए जहां पर छात्र–छात्राओं द्वारा गंगा स्वच्छता एवं संरक्षण विषय पर आधारित नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया गया, जिसे दर्शको ने खूब सराहा। इसके पश्चात् अन्त में नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत नामित नोडल अधिकारी डॉ0 पी.सी. पैन्यूली द्वारा सभी को गंगा स्वच्छता एवं संरक्षण की शपथ दिलाई गयी।

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

स्वच्छता रैली निकालते हुए महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं

जल स्त्रातों के आस–पास स्वच्छता अभियान चलाते हुए महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं

जल स्त्रातों के आस–पास स्वच्छता अभियान चलाते हुए महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

नुक्कड़ नाटकों का मंचन करते हुए महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं

नुक्कड़ नाटकों का मंचन करते हुए महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं

नोडल अधिकारी डॉ0 पी.सी. पैन्यूली छात्र–छात्राओं एवं आम जन को
गंगा स्वच्छता एवं संरक्षण की शपथ दिलाते हुए

गंगा सेवकों को दिलाई गंगा सेवा की शपथ

• नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वयंसेवियों ने किया जागरूक

टिहरी। गुरुवार को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी एवं नमामि गंगे कार्यक्रम के संयुक्त तत्वावधान में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत जल स्रोत की सफाई स्वच्छता रैली, गंगा शपथ एवं गंगा की स्वच्छता पर एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। गंगा सेवकों एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवी शिविर स्थल राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय से रैली के रूप में निकलते हुए सर्वप्रथम पर स्थित जल स्रोत की सफाई की। उसके आसपास पड़े प्लास्टिक के कचरे को एकत्रित करते हुए रैली के रूप में आगे बढ़ते हुए नई टिहरी हनुमान चौक पर एकत्रित हुए, जहां नमामि गंगे के नोडल अधिकारी डॉ. पीसी पैन्यूली ने सभी गंगासेवकों को गंगा शपथ दिलाई। उसके पश्चात महाविद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा गंगा स्वच्छता पर एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया, जिसको दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विजय प्रकाश सेमवाल, डॉ. रजनी गुसाईं, महाविद्यालय की नमामि गंगे समिति के डॉ. संदीप बहुगुणा, डॉ. जगेंद्र सजवाण आदि शामिल रहे।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से गंगा संरक्षण का संदेश देते हुए।

मीडिया कवरेज

महाविद्यालय परिसर में नमामि गंगे कार्यक्रम अन्तर्गत अधिष्ठापित नमामि गंगे वाटिका